प्रांजल

हिंदी पाठमाला

4

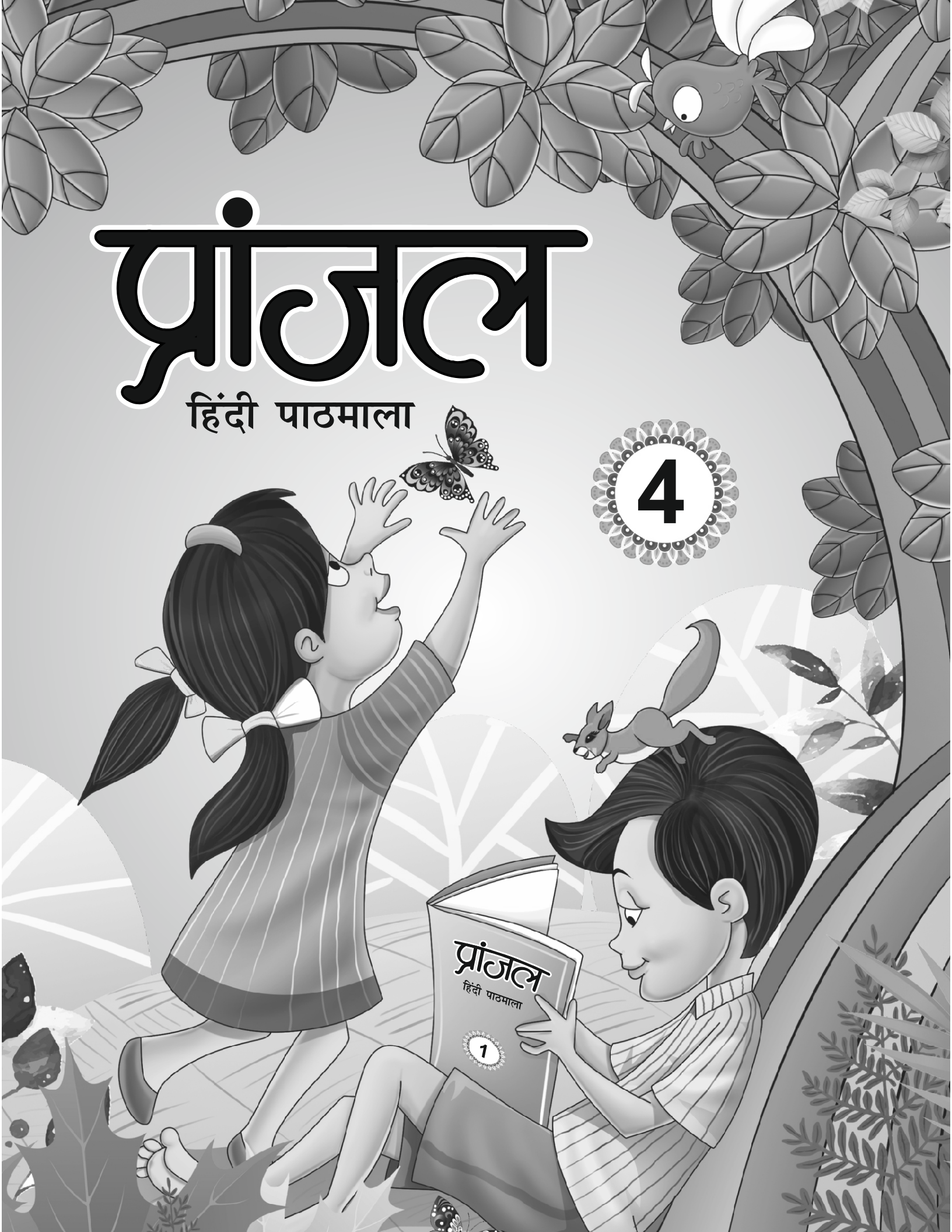

1. हम भी कुछ देना सीखें

(क) 1. (iv) देश
2. (ii) फूल
3. (ii) पानी

(ख) 1. देश हमें अन्न, जल, आसरा, वस्त्रादि सब कुछ देता है।
2. जो अनपढ़ हैं उन्हें पढ़ाएँ, जो चुप हैं उन्हें वाणी दे अर्थात् बोलना सिखाएँ, जो पिछड़ा है उसकी उन्नति का प्रयास करें, प्यासी मिट्टी को पानी दें।
3. कवि हमें अपनी सामाजिक जिम्मेदारी की याद दिला रहे हैं। वह कहना चाहते हैं कि समाज के प्रति हमें अपने कर्त्तव्य पूरे करने पड़ते हैं।
4. तरूओं की प्रकृति त्यागी होती है। वे अपने फल स्वयं नहीं खाते उसे दूसरे ही खाते हैं।

(ग) 1. जलती–दोपहर में
पेड़ सदा देते
2. उन्हें पढ़ाए
जो चुप हैं उनको

(घ) 1. सूरज हमें रोशनी देता है, धरती हमें भूख मिटाने के लिए भोजन देती है तथा हवा हमें नया जीवन देती है।
2. पेड़ से हमें छाया, खुशबू भरे फूल तथा फल प्राप्त होते हैं।
3. जो व्यक्ति पिछड़ा है उसकी तरक्की के लिए पढ़ाएँ, लिखाएँ, उसकी आर्थिक मदद करें जिससे वो प्रगति कर सकें।
4. समाज के प्रति त्याग और समर्पण की भावना रखें। दयालुता, उदारता और परोपकार जीवन के आदर्श हैं।

(ङ) 1. अहित 2. बदबू
3. लेना 4. आसमान
5. चाँद 6. काँटा
7. मरना 8. अँधेरा 9. धूप

(च) 1. हवा — हवाएँ
2. माला — मालाएँ
3. खुशी — खुशियाँ
4. तरु — तरुओं

(छ) सूरज हमें रोशनी देता है। सूरज की रोशनी में ही हमारे सारे कार्य होते हैं। खाद्य उपजाने के लिए भी सूरज की रोशनी आवश्यक है। जिस प्रकार सूरज हमारे जीवन में प्रकाश करता है हमें भी पिछड़े और कमजोर लोगों के जीवन में प्रकाश करना चाहिए।

जीवन कौशल एवं मूल्य

पेड़ हमें फल, औषधियाँ, अन्य उत्पाद और लकड़ियाँ देते हैं। वे हमें छाया देते हैं। अत: उनको पानी देना और उनकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। उन्हें कोई किसी भी प्रकार से हानि न पहुँचाये। वही नये पौधों को लगाकर भविष्य के पेड़ तैयार करना भी हमारा पुनीत दायित्व है।

❑

2. बालक चन्द्रगुप्त

(क) 1. (ii) महापद्मानन्द
2. (iii) गाय
3. (i) शेर

(ख) 1. इस कहानी के लेखक जयशंकर प्रसाद थे।
2. चाणक्य बड़े बुद्धिमान ब्राह्मण थे।
3. चाणक्य ने चन्द्रगुप्त की माँ से उसे राजकुल ले जाने के लिए कहा।
4. पाटलिपुत्र के राजा अत्याचारी थे।

(ग) 1. मगध सम्राट महापद्मानन्द के अत्याचार से काँप रहा था।
2. आगे चलकर वह बालक चक्रवर्ती स्समाट चन्द्रगुप्त मौर्य बना।
3. चन्द्रगुप्त ने लोहे की शलाकाओं को गरम करके उस सिंह को पिघलाकर पिंजड़े को खाली कर दिया।
4. सारी राजसभा यह विचार कर रही थी कि पिंजरे को बिना खोले सिंह को कैसे निकाला जाये।

(घ) 1. चाणक्य 2. राजसभा
3. सिंह
4. क्रोध से आग-बबूला

(ङ) 1. हाँ 2. हाँ 3. नहीं 4. नहीं

(च) 1. असाधारण 2. रानी
3. मरण 4. पुरस्कार
5. सरल 6. हँसना
7. निडरता

(छ) 1. लड़के 2. गायें
3. पिंजड़े 4. चिड़ियाँ

(ज) 1. **लड़का** बुद्धिमान और साहसी था।
2. **अभिनय** एक कला है, यह जन्मजात भी होती है और सीखी भी जाती है।
3. **धैर्य** से कोई भी कठिन कार्य पूर्ण हो जाता है।
4. सूझ-बूझ से किसी भी विपत्ति से निकला जा सकता है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

महान पुरुषों के लक्षण विशेषकर नेतृत्व क्षमता, आचरण और कार्य व्यापार बचपन से दिखायी दे जाते हैं।

कला समन्वय

छात्र स्वयं करें।

❑

3. अपनी कमाई

(क) 1. (iv) समुद्री व्यापार
2. (ii) माँ ने
3. (i) एक रुपया

(ख) 1. इस कहानी के लेखक सुदर्शन हैं।
2. अमीर बाप का बेटा आलसी था।
3. अमीर बाप ने बेटे से कहा कि जाकर कुछ कमाकर लाओ, नहीं तो रात को खाना नहीं मिलेगा।
4. लड़के ने पैसे कुएँ में फेंक दिये।
5. जब व्यक्ति स्वयं कमाता है तब उसे पैसे की कीमत का एहसास होता है।

(ग) 1. सेठ ने अपने बेटे के प्रति जो थोड़ा कठोर रवैय्या अपनाया, वह सही था, क्योंकि वह आलसी था, उसे मेहनत करके रोटी कमाने के लिए यह जरूरी था।
2. अपनी कमाई का मूल्य सुखद होता है। इसे कोई व्यर्थ में नहीं गँवाना चाहता है। मेहनत से कमाये पैसे को सहेजकर रखा जाता है।

(घ) 1. गरीब 2. गँवाना
3. पीछे 4. गाँव
5. छोटा

(ङ) 1. रुपये 2. लड़के
3. बेटे 4. माताएँ
5. बहनें

(च) 1. पिता 2. लड़की
3. बहन 4. बेटा
5. भाई

(छ) **माँ** — माता, जननी, मैया
बेटी — सुता, पुत्री, आत्मजा
आदमी — मानव, मनुज, नर

विचार कौशल

छात्र स्वयं लिखें।

जीवन कौशल एवं मूल्य

मेहनत का फल मीठा और संतोष देने वाला होता है। मेहनत करके व्यक्ति में आत्मविश्वास पैदा होता है। वह मेहनत के फल को बेकार नहीं करना चाहता है जैसा कि आलसी बेटे ने किया जब उसने मेहनत से कमाये दो रुपये पिता के कहने से कुएँ में नहीं फेंके।

❑

4. व्यवसाय

(क) 1. (iii) रामपुर
2. (iv) सुहावना
3. (ii) कुम्हार

(ख) 1. हाँ, हम गाँव गये हैं, हमारा गाँव बहुत सुंदर है।
2. कुम्हार, सुनार, लुहार एवं किसान।
3. किसान हमारे लिए विभिन्न खाद्यान्न उगाता है।

(ग) 1. जुलाहा — जो कपड़े बुनता है।
2. बढ़ई — जो लकड़ी की वस्तुएँ बनाता है।
3. सुनार — जो जेवर और आभूषण बनाता है।
4. किसान — जो खेती का काम करता है।
5. कुम्हार — जो मिट्टी की वस्तुएँ बनाता है।

(घ) 1. कुम्हार उसे कहते हैं जो मिट्टी की वस्तुएँ जैसे घड़ा, सुराही, मटके, गुड़िया, थाली आदि बनाता है।
2. बंसोर-टोकरी, सूप, झूला, गुड़िया आदि बनाते हैं।
3. (i) किसान मुख्य अन्नदाता है।
(ii) यह सुखदाता है।
(iii) इसकी वजह से हम अपनी भूख मिटाते हैं।

(ङ) 1. दादी 2. पोती
3. काकी 4. चाची
5. नानी 6. मौसी

(च) 1. बेटे 2. झूले
3. कपड़े 4. बच्चे
5. अच्छे

(छ) 1. **वातावरण** का मानव जीवन पर प्रभाव पड़ता है।
2. **हार** जीत जीवन के अभिन्न अंग है।
3. **किसान** सुखदाता, अन्नदाता और हमारा रक्षक है।
4. **घड़ा** पानी से भर गया।

जीवन कौशल एवं मूल्य

छात्र स्वयं लिखें।

कला समन्वय

छात्र स्वयं चित्र बनाकर उसमें रंग भरिए।

❑

5. फूल की चाह

(क) 1. (ii) सुरबाला के
2. (ii) देवों के
3. (iii) वीर

(ख) 1. 'फूल की चाह' कविता के कवि का नाम माखनलाल चतुर्वेदी है।
2. फूल चाहता है कि वनमाली उसे तोड़कर उस पथ पर फेंक दे जिस पथ पर मातृभूमि पर शीश चढ़ाने अनेक वीर जाते हैं।
3. फूल की चाह नहीं कि वह सुरबाला के गहनों में गूँथा जाये, वह प्रेमी माला में भी बिंधना नहीं चाहता। उसे सम्राटों के शरीर पर न डाला जाये। वह देवों के सिर पर भी नहीं चढ़ना चाहता है।

(ग) 1. बाला के,
गहनों में गूँथा जाऊँ।
चाह नहीं प्रेमी माला में,
बिंध प्यारी को ललचाऊँ।

2. वनमाली,
उस पथ में तुम देना फेंक
मातभूमि पर शीश चढ़ाने
जिस पथ

(घ) 1. **भाग्य** — किस्मत, विधि, नियति
2. **पथ** — रास्ता, मार्ग, डगर
3. **हरि** — केसरी, महावीर, मृगेन्द्र
4. **मातृभूमि** — स्वदेश, जन्मभूमि, वतन

(ङ) 1. गहनें 2. शीशों
3. मालाएँ 4. देवों

विचार कौशल

फूल की अभिलाषा है कि वो न तो सुरबाला के गहनों में गुँथना चाहता है न ही प्रेमी माला में बिंधना चाहता है। वह सम्राटों के शरीर पर चढ़ना नहीं चाहता। देवों के सिर पर नहीं चढ़ना चाहता। वह चाहता है कि वनमाली उसे उस पथ पर फेंक दे जिस पथ पर शीश चढ़ाने अनेक वीर जाते हैं।

जीवन कौशल एवं मूल्य

हम एक ईमानदार, कर्त्तव्यपरायण, कर्मठ और नैतिकता से भरे जीवन के द्वारा देश सेवा कर सकते हैं। हम किसी सेवा, व्यापार, उद्योग में योगदान देकर देश सेवा कर सकते हैं। हमारे ईमानदार प्रयास से देश समृद्ध और विकसित बनेगा।

❑

6. छत्रपति शिवाजी

(क) 1. (iii) पूना
2. (ii) जीजाबाई
3. (iii) जयसिंह

(ख) 1. शिवाजी का जन्म 19 फरवरी, 1630 को पूना नगर में हुआ।
2. इनकी माता का नाम जीजाबाई तथा पिता का नाम शाहजी भोंसले था।
3. बचपन में शिवाजी ने घुड़सवारी, अस्त्र-शस्त्र चलाना तथा युद्ध के दाँवपेच सीख लिये थे।
4. शिवाजी ने एक बारात के बहाने रात को पूना पर आक्रमण किया। शाइस्ता खाँ भाग गया और शिवाजी का पूना पर अधिकार हो गया।
5. शिवाजी ने अफजल खाँ को बाघ-नख से मार डाला। शाइस्त खाँ को हराया। मुगलों के अनेक किले जीते। उन्होंने 1674 में छत्रपति की उपाधि धारण की।

(ग) 1. जीजाबाई 2. 18
3. रायगढ़ 4. शिवाजी

(घ) 1. हार 2. कम
3. घटना 4. मूर्ख
5. छोटा 6. अन्याय
7. सरल 8. बुरा

(ङ) **अत्याचार** — जुल्म, नृशंसता, बर्बरता
शिक्षा — पढ़ाई, तालीम, सीख
किला — दुर्ग, गढ़, मेवासा
चतुर — दक्ष, प्रवीण, निपुण

(च) 1. **बचपन** में किसी प्रकार का तनाव नहीं होता है।
2. **राजनीति** में आदर्शों का होना जरूरी है।
3. **अभ्यास** से व्यक्ति कुशलता हासिल कर लेता है।
4. **वीरता** से देश की रक्षा सैनिक करते हैं।

जीवन कौशल एवं मूल्य

शिवाजी का जीवन हमें साहस, अनुशासन, वीरता और स्वाभिमान की शिक्षा देता है। वही हमें कूटनीति और चालाकी से भी अपना कार्य सिद्ध करने की शिक्षा देता है। व्यक्ति अपने परिश्रम, कर्म और नेतृत्व से ऊँचा लक्ष्य भी हासिल कर सकता है जैसा कि शिवाजी ने छत्रपति बनकर हासिल किया और मुगलों को सबक सिखाया।

कला समन्वय

छात्र स्वयं करें।

❑

7. बालक वल्लभ

(क) 1. (iii) स्कूल
2. (iv) घुटनों पर
3. (ii) लौह पुरुष

(ख) 1. स्कूल जाते समय वल्लभ सड़क के बीच में पड़े एक बड़े पत्थर से टकराकर गिर गया।
2. वल्लभ के घुटने में चोट लग गई।
3. वल्लभ ने उस पत्थर को सड़क के बीच से हटाकर किनारे पर रख दिया।
4. अध्यापक ने वल्लभ से कहा कि तुमने चोट की परवाह न करते हुए दोस्तों की भलाई के बारे में सोचा। एक दिन तुम अपने देश का नाम रोशन करोगे।

(ग) 1. हँसते-कूदते
2. टेस्ट
3. पत्थर
4. रोशन
5. लौह पुरुष

(घ) 1. हाँ 2. नहीं 3. नहीं 4. हाँ

(ङ)

1. वहाँ	2. कम
3. दूर	4. बुराई
5. उधर	6. देरी

(च)

1. अध्यापकों	2. बातें
3. रास्ते	4. लड़के

(छ)

1. लड़की	2. बच्ची
3. अध्यापिका	4. महिला

(ज)

2. तरकीब	बन्दर	रमन
3. रमन	नरक	कभी
4. सपना	नारद	दर्पण
5. यम	ममता	तारे

(झ) 1. **अचानक** बारिश होने लगी।
2. **पत्थर** नहीं हम पर फूल फेंकिए।
3. **टेस्ट** में पास होना जरूरी होता है।
4. **शाबाशी** के लिए श्रेष्ठ कार्य करना जरूरी है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

स्कूल में टेस्ट था इसलिए वल्लभ के साथी नहीं रुके। हम अगर उनके साथी होते तो उस पत्थर को हटाने में वल्लभ की मदद करते। इसका कारण समाज का हित था, जिससे कोई उस पत्थर से न टकराये।

कला समन्वय

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति है जो गुजरात में नर्मदा नदी के पास लगायी गयी है। यह संसार की सबसे ऊँची मूर्ति है।

❑

8. राजभाषा हिंदी

(क) 1. (iii) हिंदी
2. (iv) देवनागरी
3. (iv) सीमा ने

(ख) 1. पत्र सीमा ने अपने भाई रमेश को लिखा।
2. इसमें जो लिखा जाता है, वही पढ़ा जाता है। यह एक वैज्ञानिक लिपि है।
3. हिंदी भाषा को सीखने के लिए पत्र-पत्रिकाएँ और समाचार-पत्र पढ़ना चाहिए। हिंदी में बोलने एवं लिखने का भी प्रयास करना चाहिए।
4. भारत की राजभाषा का दर्जा हिंदी को प्राप्त है।

(ग) 1. कठिन 2. कम
3. कल 4. बड़ी

(घ) 1. पत्रों 2. पत्रिकाएँ
3. भाषाएँ 4. हम

विचार कौशल

(ङ) छात्र स्वयं लिखें।

जीवन कौशल एवं मूल्य

बायीं ओर
अपने शहर का नाम लिखें। दायीं ओर दिनांक लिखें
पत्र में अपने से छोटों के लिए प्रिय और अपने से बड़ों के लिए आदरणीय लिखें। पत्र के अन्दर टू द प्वाइंट बातें लिखते हैं। बेकार की बात नहीं लिखते हैं।
पत्र में आत्मीयता की झलक होनी चाहिए।
पत्र के अन्त में तुम्हारा/आपका
प्रिय लिखकर अपना नाम लिखना चाहिए।
पत्र के बाहर लिफाफे पर पता साफ-साफ पिनकोड सहित लिखना चाहिए। जिससे पत्र जिसे भेजा जाये सरलता से पहुँच जाये। अपना मोबाइल नम्बर भी लिख सकते हैं।

❑

9. आओ सीखें

(क) 1. (ii) भौंरों से
2. (iii) मछली
3. (iii) धरती

(ख) 1. इस कविता के कवि का नाम अज्ञात है।
2. फूलों से नित हँसना सीखना चाहिए।
3. सूरज की किरणों से जगना और जगाना सीखना चाहिए।
4. पतझड़ में पेड़ों से दु:ख में धीरज रखना सीखना चाहिए।
5. दीपक जिस तरह जलकर अंधकार को हरता है उसी प्रकार समाज में सद्कार्यों द्वारा बुराईयों (अंधकार) को हरा सकते हैं।

(ग) 1. नित गान
2. सबको गले लगाना
3. दूध और पानी से
4. मछली

(घ) 1. हमें सद्कार्यों की ओर प्रेरित होने की सीख अपने चारों ओर की निर्जीव व सजीव वस्तुओं से लेनी चाहिए।
2. (i) सूरज स्वयं प्रात: काल आकाश में जागता (उदय) होता है।
(ii) सूरज उदय होकर हमें जगाता है।
(iii) सूरज का प्रकाश हमें बुराईयों (अंधकार) को दूर करना सिखाता है।
(iv) सूरज हमें स्वयं की भाँति यश प्राप्त करने को प्रेरित करता है।
(v) सूरज बिना भेदभाव सबको रोशनी देता है, अत: हमें परोपकारी बनने की शिक्षा देता है।

(ङ) झोंकों से सीखो,
आपस में मिल जाना।

(च) 1. भौंरे
2. पेड़ों
3. डालियाँ
4. फूलों
5. लताएँ
6. मछलियाँ

(ज) **फूल** — पुष्प, कुसुम, प्रसून
तरू — द्रुम, पेड़, वृक्ष
पृथ्वी — धरिणी, धरा, अवनि
पानी — जल, नीर, सलिल

(झ) 1. हँसना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।
2. सूरज की भाँति परोपकारी बनना चाहिए।

3. मछली बिन पानी मर जाती है।

4. दीपक स्वयं जलकर अँधेरे को भगाता है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

छात्र स्वयं करें।

❑

10. वैज्ञानिक उपकरण

(क) 1. (ii) रेडियो

2. (iii) अमेरिका

3. (ii) एडीसन

(ख) 1. विज्ञान का अर्थ विशेष ज्ञान है।

2. सिनेमा का आविष्कार एडीसन ने 1895 में किया।

3. हम कम्प्यूटर के माध्यम से सैकड़ों व्यक्तियों के बराबर काम कर सकते हैं।

(ग) 1. दूरदर्शन टेलीविजन को कहते हैं। यह दूर के दृश्यों को प्रतिबिंबित करता है। इससे सिनेमा और रेडियो दोनों के लाभ प्राप्त होते हैं। इसके द्वारा अनेक कार्यक्रमों को देखकर ज्ञान बढ़ा सकते हैं।

2. आजकल लोग टेलीफोन का उपयोग संचार के क्षेत्र में कर रहे हैं। विशेषकर सेलफोन (स्मार्टफोन) का प्रयोग रेल, बस, सिनेमा का टिकट बुक करने, सलाह लेने और बातचीत में कर रहे हैं।

3. कम्प्यूटर को संगणक कहते हैं। इसमें जो आँकड़े भरे जाते हैं वे विषय पूछे जाने पर बताये जाते हैं।

4. रेडियो, दूरदर्शन, सेलफोन, लैपटॉप, कम्प्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में उपयोग में आने वाले वैज्ञानिक उपकरण हैं।

5. वैज्ञानिक उपकरणों का सीमित मात्रा में उपयोग करना है अन्यथा हमारा समय और जीवन बर्बाद होगा।

(घ) 1. रेडियो 2. टेलीफोन

3. संगणक 4. कम उपयोग

(ङ) 1. दु:ख 2. हानि

3. पास 4. दुरुपयोग

5. गरीब 6. बुरा

(च) 1. बे 2. वि

3. सद् 4. यथा

(छ) 1. **सिनेमा** समाज में से कहानियाँ चुनता है।

2. **आविष्कार** के द्वारा हमारा जीवन सुविधापूर्ण हुआ है।

3. संगणक तेज गति से गणनाएँ करता है।

4. आधुनिक ज्ञान-विज्ञान से देश में खुशहाली आती है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

विज्ञान को जीवन को सुखमय बनाने में उपयोग किया जाना चाहिए। विनाश लीला के लिए उसका दुरुपयोग न किया जाये। विज्ञान के द्वारा ऐसे आविष्कार किये जाने चाहिए जो मानवमात्र के लिए खुशहाली लाये, जिससे जनता का जीवन स्तर उठ सके।

कला समन्वय

छात्र स्वयं करें।

❑

11. शिष्टाचार

(क) 1. (iii) अच्छा

2. (ii) विनम्रता

3. (iii) आप

(ख) 1. अच्छे व्यवहार को शिष्टाचार कहते हैं।

2. छोटों या बराबर वालों के लिए तुम शब्द का प्रयोग करते हैं।

3. सहनशीलता व्यक्ति के स्वभाव से ही शिष्ट होने वाली चीज है।

4. बड़ों से बात करते समय जी हाँ, 'जी नहीं' कहकर उत्तर देना चाहिए।

(ग) 1. 'जी हाँ' तथा 'जी नहीं' कहकर उत्तर देना चाहिए।

2. हमेशा 'आप' कहकर सम्बोधित करना चाहिए।

3. तुम शब्द का प्रयोग किया जाता है।

4. उसके पहले 'श्रीमान' श्रीमती या कुमारी लगाना चाहिए।

(घ) 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✗) 6. (✓)

(ङ) 1. किसी के घर या कमरे में प्रवेश करते समय दरवाजा खटखटाना चाहिए और पूछना चाहिए कि ''क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?''

महिलाओं के प्रति सम्मान प्रकट करना, अपने से बड़े लोगों को 'आप' कहकर सम्बोधित करना।

2. 'अनुशासन' शिष्टाचार का आधार है। अनुशासन से ही शिष्टाचार का पालन कर सकते हैं यथा समाज के नियमों तथा कानूनों का पालन। हर काम समय पर करना, सड़क पर न खेलना, आलस नहीं करना आदि।

(च) 1. बुरा 2. अशिष्टता

3. छिपा 4. स्मरण

5. सक्रियता 6. अँधेरा

(छ) 1. नागरिक

2. स्वतंत्रता
3. पारिवारिक
4. शाब्दिक
5. भारतीय

(ज) 1. **आचरण** अच्छा है तो व्यक्ति तरक्की करता है।
2. **शिष्टता** से व्यक्ति का सम्मान बढ़ता है।
3. अनुशासन से शिष्टता और मूल्यों का विकास होता है।
4. निंदा करना अच्छी बात नहीं है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

अनुशासन से व्यक्ति एक लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर उसे हासिल कर लेता है। उसमें शिष्टता का संचार होता है और वह अपने से बड़ों का सम्मान करना सीखता है। वह छोटों से भी उत्तम व्यवहार करता है। अनुशासन से व्यक्ति समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त करता है।

कला समन्वय

छात्र स्वयं करें।

❑

12. ओणम

(क) 1. (ii) केरल
2. (ii) विरोचन
3. (ii) विष्णु

(ख) 1. भारत त्योहारों का देश है। यहाँ अलग-अलग प्रान्तों में अलग-अलग त्योहार मनाये जाते हैं।
2. ओणम का त्योहार केरल में मनाया जाता है।
3. ओणम महाबली के स्वागत का पर्व है।
4. राजा महाबली की राजधानी त्रिक्काकरा थी।
5. विष्णुजी के वामन रूप को त्रिक्काकरप्पन कहते हैं।

(ग) 1. पुकलम (रंगोली)
2. फसलों
3. अदिति
4. पुलीकूल
5. पहचान

(घ) 1. नहीं 2. हाँ 3. नहीं 4. हाँ

(ङ) 1. ओणम अगस्त-सितम्बर माह में मनाया जाता है। इन दिनों हर तरफ उल्लास छाया रहता है।

2. महाबली का वास्तविक नाम इंद्रसेन था। इंद्रसेन के पिता का नाम विरोचन था। विरोचन भक्त प्रह्लाद के पुत्र थे।

3. देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की कि इंद्र के पद की रक्षा की जाए। विष्णुजी ने प्रार्थना स्वीकार कर ली। उन्होंने देवताओं की माता अदिति के गर्भ से वामन (बौने) के रूप में जन्म लिया।

4. ओणम के दसवें दिन को 'तिरूवोणम' कहा जाता है। इस दिन विशाल पुकलम के बीच कच्ची मिट्टी से बनी मूर्तियाँ रखी जाती हैं। ये मूर्तियाँ महाबली, उनके अंगरक्षक तथा विष्णुजी के वामन रूप की होती हैं।

(च) 1. विषाद 2. भूल
3. दुखी 4. कमजोर
5. अस्वीकार 6. सूक्ष्म

(छ) 1. सुखपूर्वक 2. आदरपूर्वक
3. श्रद्धापूर्वक 4. बलपूर्वक
5. प्रेमपूर्वक

(ज) 1. **प्रार्थना** से मन को शांति मिलती है।
2. **प्रजा** लोकतंत्र में सरकार के भाग्य का फैसला करती है।
3. **उल्लास** के माहौल में मस्ती होती है।
4. **विशाल** वामन ने एक पग में धरती माप ली।
5. **स्वादिष्ट** व्यंजन सभी को लुभाते हैं।

जीवन कौशल एवं मूल्य

राजा महाबली से जब वामन रूप में विष्णुजी ने तीन पग भूमि चाहिए। राजा महाबली ने अपने वचन का पालन करते हुए अपना सर झुका दिया जबकि पहले दो पगों में उन्होंने धरती और आसमान नाप लिये थे। वे इस वचन का पालन करते हुए पाताल पहुँच गये। हमें प्राण जाये पर वचन न जाये की सीख राजा महाबली से मिलती है।

कला समन्वय

स्वयं करें।

❑

13. किताब

(क) 1. (iii) किताब
2. (iii) विद्वान
3. (iv) अध्ययन से

(ख) 1. किताब उलझे-उलझे सवालों का जवाब देती है।

2. अनपढ़ शिक्षित होकर ज्ञान पा लेता है।
3. किताब कोई छोटी, कोई मोटी, कोई कठिन, कोई सरल प्रकार की होती हैं।
4. पढ़ना-पढ़ाना अच्छी आदत है।

(ग) 1. में सबसे प्यारी,
होती है किताब
उलझे-उलझे हर सवाल का
देती है जवाब
2. पढ़ना-पढ़ाना
अच्छी आदत,
इसको तुम अपनाओ
अध्ययन से बनते इंसान
इससे न

(घ) 1. सुलझा 2. जवाब
3. विद्‌वान 4. अशिक्षित
5. पतली 6. सरल

(ङ) 1. हिसाब 2. विज्ञान
3. मोटी 4. दिखलाओ

(च) 1. **सवाल** का जवाब देना होता है।
2. **ज्ञान** से व्यक्ति विवेकवान और आत्मविश्वासी बनता है।
3. **सरल** स्वभाव के व्यक्ति सबको प्रिय होते हैं।
4. **अध्ययन** के माध्यम से ज्ञान प्राप्त किया जाता है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

किताबों से हमारा जीवन ज्ञान प्राप्त करके हमें समाज के श्रेष्ठ नागरिक बनाता है। समाज में ज्ञान प्राप्त कर हम सेवा, उद्योग, व्यापार, लेखन में नाम रोशन करते हैं। संवेदनशील बन समाज का हित करते हैं।

❑

14. खेलकूद और व्यायाम

(क) 1. (i) मानसिक श्रम
2. (ii) व्यक्तिगत
3. (iv) इन सभी के

(ख) 1. जो हम पढ़ने लिखने का कार्य करते हैं।
2. जो बीमारी व्यापक स्तर पर फैलती है, वह महामारी कहलाती है; जैसे—कोरोना।
3. ऑक्सीजन अधिक मिलने से प्राण शक्ति बढ़ती है और शरीर पुष्ट होता है।

4. पौष्टिक पदार्थ; जैसे—दूध, फलों का रस आदि।
5. जिम में विभिन्न प्रकार के उपकरणों तथा यन्त्रों से व्यायाम कराया जाता है।

(ग) 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)

(घ) 1. स्वस्थ रहने से मन प्रसन्न रहेगा और हम हर कार्य आनंद और स्फूर्ति से करेंगे।
2. शरीर की लगातार उपेक्षा रोग, बुढ़ापा और मृत्यु के द्वार खोलती है। नियमित व्यायाम स्वास्थ्य का प्रमुख नियम है।
3. व्यायाम का शाब्दिक अर्थ कसरत है। व्यायाम एक स्वस्थ शरीर रखने हेतु आवश्यक है।
4. व्यायाम करते समय अपनी अवस्था और आवश्यकता का ध्यान रखना चाहिए।
5. स्वस्थ शरीर है तो मन भी प्रसन्न रहेगा और हर कार्य करने में स्फूर्ति रहेगी।

(ङ)

1. माँसपेशियाँ	2. रुचि
3. तैराकी	4. आयु
5. उपेक्षा	6. थकान

(च)

1. वृद्धावस्था	2. श्वास
3. स्फूर्ति	4. दुग्ध
5. नासिका	6. आलस्य

(छ) छात्र स्वयं करें।

जीवन कौशल एवं मूल्य

व्यायाम के अन्तर्गत हम खेलकूद को अपनाना पसंद करेंगे। खेलकूद से शरीर स्वस्थ और मन अति प्रसन्न रहता है। मुझे क्रिकेट खेलना बहुत पसंद है। यह खेल रोमांच से भरा है। इससे अच्छी कसरत हो जाती है। हार-जीत जीवन का अभिन्न अंग है यह प्रेरणा पाकर संघर्ष क्षमता बढ़ती है।

कला समन्वय

छात्र स्वयं करें।

❑

15. पानी

(क) 1. (ii) मानव
2. (ii) आकाश
3. (iii) 3%

(ख) 1. पत्र लिखने का मुख्य उद्देश्य पानी का सदुपयोग करने का आग्रह है।
2. पानी का घर आकाश, भूमि एवं सागर है।
3. पानी का प्रत्येक रूप हमारे लिए उपयोगी नहीं है, केवल स्वच्छ शुद्ध रूप ही उपयोगी है।

4. पानी स्वयं को स्वच्छ रखने, पीने और भोजन बनाने, कपड़े धोने इत्यादि में प्रयोग में आता है।

(ग) 1. हैरानी 2. धरती
3. जीवन 4. माँग

(घ) 1. कल 2. समाप्ति
3. पृथ्वी 4. अनुपयोगी
5. अशुद्ध 6. सुख

(ङ) 1. नदियाँ 2. रोटियाँ
3. साइकिलें 4. चिड़ियाएँ
5. लताएँ 6. लड़कें

(च) 1. दोस्त सच्चा हो तो जीवन सार्थक हो जाता है।
2. पृथ्वी पर शुद्ध जल बहुत कम है अत: इसका सदुपयोग करें।
3. आकाश में तारे और चंद्रमा होते हैं।
4. सागर पानी का बड़ा स्रोत है।

जीवन कौशल एवं मूल्य

जल हमारे लिए प्रत्येक कार्य हेतु आवश्यक है। दैनिक कार्यों को पूरा करने यथा खुद के ब्रश करने से लेकर खाना बनाने, कपड़े धोने और खाद्यान्न उत्पादन हेतु आवश्यक है। बिना जल के प्यास से व्यक्ति मर जायेगा। अतएव 'जल ही जीवन है।'

❑

16. कठपुतली

(क) 1. (ii) धागे
2. (iv) बहुत दिन

(ख) 1. कठपुतली गुस्से से उबली हुई थी।
2. कठपुतली धागे तोड़ने की बात कर रही है।
3. कठपुतली को अपने पाँवों पर खड़े होने की इच्छा हुई।

(ग) 1. गुस्सा — क्रोध, आक्रोश, रोष
2. दिन — दिवस, याम, वार
3. इच्छा — अभिलाषा, कामना, मनोरथ
4. सूर्य — दिवाकर, आदित्य, सूरज

(घ) 1. धागे 2. कठपुतलियाँ
3. गायें 4. लड़कें

(ङ) 1. **धागा** कठपुतलियों को हिलाने-डुलाने के काम आता है।
2. **कठपुतली** धागे की सहायता से नाचती है।

3. **दिन** में उजाला होता है जिससे सरलता से पढ़ा जाता है।
4. **इच्छा** सही हो तो उसे पूरा करना चाहिए।

जीवन कौशल एवं मूल्य

छात्र स्वयं करें।

कला समन्वय

छात्र स्वयं करें।

❑

17. कंप्यूटर

(क) 1. (ii) विज्ञान
2. (i) मानव के
3. (iv) प्रश्न हल करने वाला साधन

(ख) 1. (iii) आश्चर्यजनक
2. (iv) श्रम और समय की
3. (i) तीव्रगति पर
4. (ii) मशीनी मानव के

(ग) 1. कंप्यूटर प्रश्न हल करने वाला साधन है। जिसकी रचना ठीक मानव शरीर के समान है।
2. कंप्यूटर का आविष्कार ब्रिटेन के चार्ल्स बैबेज ने सन् 1822 ई० में किया।
3. इसे मनुष्य के शरीर की भाँति; जैसे—सिर, छाती, पेट, हाथ और पैर बाँटा गया है।
4. किसी भी समस्या को कंप्यूटर की भाषा में अनुवाद करना पड़ता है। इस अनुवाद को प्रोग्रामिंग कहते हैं।
5. कंप्यूटर को परीक्षा परिणाम, बिजली के बिल तैयार करने, रेलवे के आरक्षण में, अंतरिक्ष कार्यक्रमों के संचालन में तथा शस्त्रों इत्यादि में प्रयोग किया जा रहा है।

(घ) 1. हितैषी
2. आरक्षण
3. व्यावसायिक
4. भारतवासी
5. वैज्ञानिक

(ङ) 1. विज्ञान ने मानव जीवन को सुगम एवं खुशहाल बनाया है।
2. किसी पर निर्भर होना अच्छी बात नहीं है।
3. कार्यालय में वक्त से पहुँचना चाहिए।
4. जनसंख्या का ज्यादा बढ़ना संसाधनों के लिए हानिकारक है।
5. उपहार का मूल्य नहीं देखा जाता है, भावना देखी जाती है।

(च) 1. रेल — यात्री
2. मैदान — खिलाड़ी
3. जल — मछली
4. संदूक — कपड़े

(छ) छात्र स्वयं करें।

(ज) 1. मॉनीटर 2. सीपीयू 3. कीबोर्ड 4. माउस

जीवन कौशल एवं मूल्य

छात्र स्वयं करें।

❑

18. सूरज और बादल

(क) 1. (ii) पानी
2. (ii) सूरज
3. (iii) बादल

(ख) 1. पानी बरसने से पहले धूप खिली थी।
2. सूरज को उसकी माँ ने बुला लिया।
3. बादल जोर-जोर से गरज रहे हैं।
4. इस कविता की रचयिता या कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान हैं।

(ग) 1. थी धूप
बरसने लगा कहाँ से यह पानी
किसने फोड़ घड़े बादल के
की है

2. क्यों बंद कर लिया
अपने घर का दरवाजा
उसकी माँ ने क्या उसको
बुला लिया कहकर

3. से गरज रहे हैं
बादल हैं किसके काका
किसको डाँट रहे हैं
किसने कहना नहीं सुना

(घ) 1. पानी — अम्बुज, जल, नीर
2. सूरज — दिवाकर, आदित्य, दिनकर
3. चाँद — मयंक, विधु, शशि
4. बादल — वारिद, जलधर, मेघ
5. माँ — जननी, सुता, माता

(ङ) 1. छाया
2. खुला
3. नफरत
4. अंधकार
5. देवता
6. धीरे से

(च) 1. घड़े
2. बादलों
3. घरों
4. दरवाजे

(छ) 1. पानी जीवन में सभी कार्यों हेतु आवश्यक है।
2. शैतानी करने से बचना चाहिए।
3. सूरज सबको रोशनी देता है। यही परोपकार की भावना हमें सीखनी चाहिए।
4. दरवाजा खुला था वो अंदर आ गया।

जीवन कौशल एवं मूल्य

इस कविता से यह भाव उत्पन्न होते हैं कि मौसम बदलता है, कभी धूप कभी बारिश होती है। बारिश की तरह जीवन भी परिवर्तन लाता है, कभी खुशी होती है कभी गम होता है। मानव को दोनों ही दशाओं का साहस और समझदारी से सामना करना चाहिए।

कला समन्वय

छात्र स्वयं करें।

❑

19. सौर ऊर्जा

(क) 1. (iv) सूर्य से
2. (iii) ऊर्जा से
3. (iii) सौर ऊर्जा का प्रयोग करके

(ख) 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗)

(ग) 1. प्रकृति
2. भंडार
3. गाड़ियाँ
4. लाभ

(घ) 1. सूर्य से प्राप्त ऊर्जा को सौर ऊर्जा कहते हैं।
2. हमें लकड़ी, कोयला, तेल, बिजली, उपलों और सूर्य से ऊर्जा मिलती है।
3. सौर ऊर्जा से कोई प्रदूषण नहीं फैलता है।
4. सौर ऊर्जा का प्रयोग ईंधन से लेकर बिजली बनाने और गाड़ियाँ चलाने में हो सकता है।

(ङ) 1. असीमित
2. अभिशाप
3. अस्वस्थ
4. प्राचीन

(च) 1. पर, का
2. के, के लिए, को
3. में
4. का

❑

20. दोहे

(क) 1. (iv) शब्दावली
2. (i) आज
3. (iii) भगवान को
4. (iv) खजूर

(ख) 1. हमें आज का काम अभी करना चाहिए।
2. कल का काम आज करना चाहिए।
3. भगवान का स्मरण लोग दु:ख में करते हैं।
4. भगवान का स्मरण दु:ख और सुख दोनों में करना चाहिए। इससे दु:ख होगा ही नहीं।

(ग) 1. कबीर का जन्म सन् 1398 (विक्रम संवत 1455) एक ब्राह्मण परिवार में हुआ। उन्हें एक मुस्लिम जुलाहा दम्पति ने पाला। वे ज्ञानमार्गी शाखा के प्रमुख कवि हैं। उन्होंने बिना भेदभाव के सामाजिक, धार्मिक कुरीतियों पर प्रहार किया।
2. समय चलायमान है जो काम कल करना है उसे आज, जो आज करना है उसे अभी करना चाहिए। क्षण भर में प्रलय आ जायेगी तो फिर तुम काम कब कर पाओगे?
3. दु:ख में सभी भगवान का नाम जपते हैं लेकिन सुख में कोई नहीं जपता। यदि सुख में भी भगवान का नाम लिया जाये तो दु:ख नहीं आयेगा।
4. भगवान का स्मरण हर समय इसलिए करना चाहिए कि सुख में हम कोई गलत कार्य न करें जिससे किसी का अहित हो और दु:ख में भी स्मरण करने से दु:ख दूर भागता है।

(घ) 1. दु:ख 2. भूल
3. कल 4. दिन

(ङ) 1. **दु:ख** — पीड़ा, वेदन, व्यथा
2. **प्रलय** — नाश, संहार, ध्वंस
3. **सुख** — आनंद, आमोद, उल्लास

(च) 1. **भगवान** का नाम जपने से कष्ट दूर होते हैं।
2. **काम** ही सबसे बड़ी पूजा है।
3. **दु:ख** में साहस का परिचय देना चाहिए।

4. **याद** करके ही प्रश्नों का उत्तर कक्षा में देते हैं।

जीवन कौशल एवं मूल्य

समय बेशकीमती है जो आपको करना है यथाशीघ्र करें, जिससे वो समय समाप्त न हो जाये। समय का सदुपयोग करके जीवन में कोई लक्ष्य हासिल किया जाता है। जो व्यक्ति समय को व्यर्थ में नष्ट करते हैं, समय उन्हें नष्ट कर देता है।

❑

21. अब्दुल कलाम

(क) 1. (iii) मिसाइल-मैन
2. (ii) भौतिक विज्ञान
3. (ii) प्रधानमंत्री के

(ख) 1. कलाम जी 'मिसाइल-मैन' के नाम से प्रसिद्ध हैं।
2. कलाम जी अपने पिता की आर्थिक मदद के लिए समाचार-पत्र वितरण का कार्य करते थे।
3. 1992 से 1999 तक कलाम प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार और सुरक्षा शोध विभाग के सचिव रहे।
4. भारत का सबसे बड़ा नागरिक सामान 'भारत रत्न' है।

(ग) 1. अब्दुल कलाम का पूरा नाम अबुल पाकिर जैनुलाबद्दीन अब्दुल कलाम था। इनका जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडु में हुआ।
2. कलाम जी को पद्म भूषण, 'पद्म विभूषण' और 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया।
3. व्यक्ति साधारण परिवार में पैदा होकर भी अपने ऊँचे लक्ष्य को प्राप्त कर सकता हैं। कलाम जी के जीवन से प्रेरणा मिलती है कि गरीब व्यक्ति भी विषम परिस्थितियों को झेलकर भी लक्ष्य हासिल करते हैं।
4. अपने ध्येय के प्रति समर्पित व्यक्ति ध्येय हासिल कर लेता है चाहे कितने साधारण परिवार का हो। हमें अपनी पढ़ाई ध्यान से मेहनत से पूरी करनी चाहिए।

(घ) 1. भारत रत्न
2. लगन
3. 1960 में

(ङ) 1. गुमनाम 2. मरण
3. असम्भव 4. असफलता
5. दण्ड 6. रात

(च) 1. सफलताएँ 2. चीजें
3. पत्रों 4. सेनाएँ

(छ) 1. **नागरिक** को राज्य कुछ मौलिक अधिकार देता है।

2. **लक्ष्य** के प्रति समर्पण से सफलता मिलती है।
3. **बचपन** में सभी मस्त रहते हैं।
4. **महान** व्यक्ति अपने लक्ष्य हासिल करके ही रुकते हैं।

जीवन कौशल एवं मूल्य

छात्र स्वयं करें।

❑

22. वन के पंछी

(क) 1. (ii) आपस में हिल-मिलकर
2. (iii) परिश्रमी
3. (iv) वन के पंछी दूसरों की कमाई से अपना घर भरते हैं

(ख) 1. आसमान
2. दुनिया
3. श्रम
4. घर

(ग) 1. पंछी असीम आकाश में बिना डर के उड़ते हैं अर्थात् वहाँ तेरा-मेरा हिस्सों का दायरा नहीं है सबका है आसमान। वे दूसरों की कमाई दौलत से अपना घर नहीं भरते हैं अर्थात् वे दूसरों के श्रम पर नहीं अपने श्रम से भोजन एकत्र करते हैं। अभिप्राय यह है कि वो शोषक नहीं हैं।

(घ) 1. सारस (✗) तोता (✗) गोरैया (✗) उल्लू (✗)

(ङ) 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗)

(च) 1. पंछियों का घर आसमान होता है।
2. जहाँ वे रहते हैं अपनी दुनिया बसा लेते हैं।
3. पंछी दिन-भर काम करते हैं।
4. पंछी दूसरों की कमाई से अपना घर नहीं भरते।

(छ)

देते	बेपरवाह
चलते	सताते

(ज) 1. रहते हैं
2. काम करते हैं
3. विचरण करते हैं
4. हड़पते
5. भरते

(झ)

सार्थक शब्द	**निरर्थक शब्द**
परवाह	आसप

निर्भय
दुनिया
आसमान
चातक
पंछी
हड़पकर
कतोप
कशु

(ङ) 1. पुल्लिग 2. स्त्रीलिंग 3. पुल्लिग 4. स्त्रीलिंग 5. पुल्लिग

विचार कौशल

छात्र स्वयं करें।

1. पक्षियों का जीवन तेरे-मेरे की भावना से ऊपर है।
2. आसमान में विचरण का अधिकार सबको है।
3. वे अपने श्रम पर जीते है, मनुष्य की तरह परजीवी नहीं है।
4. मनुष्य की भाँति दूसरों की कमायी से घर नहीं भरते हैं।

जीवन कौशल एवं मूल्य

छात्र स्वयं करें।

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-1 (अध्याय 1 से 11 तक पर आधारित)

(क) 1. (ii) पानी
2. (ii) महापद्मानन्द
3. (iv) समुद्री-व्यापार

(ख) 1. कुम्हार मिट्टी की वस्तुएँ बनाता है यथा सुराही, घड़ा, बर्तन, दीये इत्यादि।

2. फूल चाहता है कि उसे वनमाली उस पथ पर फेंक दे जिस पथ पर शीश चढ़ाने अनेक वीर जाते हैं।

3. रात शिवाजी ने एक बारात के बहाने रात को पूना पर आक्रमण किया। शाइस्त खाँ भाग गया और शिवाजी का पूना पर अधिकार हो गया।

4. अध्यापक ने वल्लभ से कहा कि एक दिन तुम अपने देश का नाम रोशन करोगे।

(ग) 1. रास्ते में
2. गाना
3. हवा के झोंके
4. मोबाइल

(घ) 1. दु:ख
2. हानि
3. पास
4. दुरुपयोग
5. गरीब
6. बुरा

प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-2 (अध्याय 12 से 22 तक पर आधारित)

(क) 1. (ii) केरल
2. (iv) अध्ययन से

3. (i) मानसिक श्रम

(ख) 1. स्वस्थ रहने से प्रत्येक कार्य आनंद और स्फूर्ति से किया जाता है।

2. कसरत को ही व्यायाम कहते हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम जरूरी है।

3. नहीं, पानी का प्रत्येक रूप उपयोगी नहीं है। लगभग 3% पानी ही उपयोगी है।

4. कठपुतली के मन में डोर से छुटकारा पाने और अपने पैरों पर खड़ी होने की इच्छा जाग्रत हुई।

(ग) 1. प्रकृति

2. भंडार

3. गाड़ियाँ

4. लाभ

(घ) 1. **भगवान** के देर है अंधेर नहीं है।

2. **काम** से अर्जित सफलता संतोष देती है।

3. **दुःख** में भगवान का लोग स्मरण करते हैं परन्तु सुख में नहीं।

4. **याद** करके कक्षा में प्रश्नों का उत्तर देते हैं।

❑